卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 132 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦17 फरवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

सड़क सुरक्षा और पर्यावरण के लिए दौड़े हजारों लोग

सीएम ने पांच किमी रन को दिखाई हरी झंडी, यातायात नियमों और प्रकृति संरक्षण की दिलाई शपथ

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राजधानी देहरादून के कैंट रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के समीप से सड़क सुरक्षा जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण संदेश के साथ आयोजित 5 किलोमीटर की दौड़ (अवेयरनेस रन) का फ्लैग ऑफ किया। परिवहन विभाग और जिला प्रशासन के समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित विभिन्न आयु वर्ग के हजारों प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। दौड़ शुरू होने से पूर्व मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों और नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने और अपनी प्राकृतिक संपदा को बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की सामूहिक शपथ दिलाई। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट का उपयोग करना और गति सीमा का पालन करना केवल कानूनी मजबूरी नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करना और पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और प्रदेश की आबोहवा को शुद्ध बनाए रखने की दिशा में हमारी सरकार निरंतर ठोस प्रयास कर रही है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है और युवा पीढ़ी अपने उत्तरदायित्वों के प्रति सजग होती है। उन्होंने धावकों का उत्साहवर्धन करते (शेष पृष्ठ सात पर)

तीन बड़े बदलावों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं शुरू

नई दिल्ली। सीबीएसई की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार, 17 फरवरी से देश-विदेश में शुरू हो गई हैं। इस वर्ष 43,67,870 से अधिक विद्यार्थी परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं और परीक्षा आयोजन भारत सहित 26 देशों में किया जा रहा है। बोर्ड के अनुसार कक्षा 10 की परीक्षाएं 10 मार्च तक तथा कक्षा 12 की परीक्षाएं 9 अप्रैल तक चलेंगी। पहले दिन कक्षा 10 के विद्यार्थियों की गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) की परीक्षा आयोजित हुई, जबकि कक्षा 12 के छात्रों ने बायोटेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप और शॉर्टहैंड (हिंदी एवं अंग्रेजी) विषयों की परीक्षा दी। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता देखी गई।इस वर्ष परीक्षाओं में तीन बड़े बदलाव लागू किए गए हैं। नकल रोकने के लिए सुरक्षा (शेष पृष्ठ सात पर)

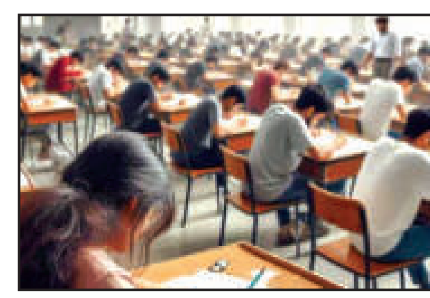

सड़क हादसे में बाईक सवार युवक की मौत

लालकुआं (उद संवाददाता)। पंतनगर से देर शाम ड्यूटी कर लौट रहे बिंदुखत्ता निवासी एक युवक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक की नगला बाईपास के समीप मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से जहां मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिंदुखत्ता के सुभाष नगर निवासी 42 वर्षीय भुवन जोशी पंतनगर के भीतर एक कैंटीन में कार्य करते थे। बीते रोज देर शाम वह अपनी मोटरसाइकिल से ड्यूटी पूरी कर वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह नगला बाईपास के समीप पहुंचे, तभी किसी (शेष पृष्ठ सात पर)

गंगनहर में डूबे आईआईटी के छात्र का 6 दिन बाद शव बरामद

रुड़की । आईआईटी रुड़की के एमबीए छात्र का शव छह दिन के सघन तलाशी अभियान के बाद गंगनहर से बरामद कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी आशीष शुक्ला 11 फरवरी की शाम अपने दोस्तों के साथ गंगनहर के किनारे घूमने गया था, जहां अचानक पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में समा गया और लापता हो गया था। घटना के समय का एक दर्दनाक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें छात्र को (शेष पृष्ठ सात पर)

नैनीताल कोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की

टिहरी जिला न्यायालय, रूद्रप्रयाग जिला कोर्ट एवं उत्तरकाशी कलेक्ट्रेट में भी बम की अफवाह

हल्द्वानी/टिहरी गढ़वाल(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरे संदेशों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नैनीताल जिला न्यायालय और उत्तरकाशी न्यायालय को सोमवार को मिली धमकी के बाद मंगलवार को पुन: नैनीताल और टिहरी जिला न्यायालय के साथ ही रूद्रप्रयाग जिला न्यायालय एवं उत्तरकाशी कलेक्ट्रेट में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में न्यायालय परिसरों को खाली कराया गया और बम निरोधक दस्ते ने सघन तलाशी अभियान चलाया। नैनीताल जिला एवं सत्र न्यायालय के जिला जज के आधिकारिक ईमेल एड्रेस पर मंगलवार सुबह 7:11 बजे एक संदेश प्राप्त हुआ। इस ईमेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में सी4 आरडीएक्स से बने पांच बम पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जो सुबह 11:15 बजे फट जाएंगे। संदेश में जज चैंबर (शेष पृष्ठ सात पर)

कांग्रेस की रैली में मुस्लिम यूनिवर्सिटी समर्थकों का जमावड़ा:भट्ट

कांग्रेस की रैली में मुठ्ठी भर जनता, खाली पड़ी रही कुर्सियां:भट्ट

देहरादून (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस द्वारा आयोजित रैली पर तीखा प्रहार करते हुए इसे पूरी तरह 'फ्लॉप शो' करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह रैली जनता की नहीं, बल्कि भाड़े की भीड़ और मुस्लिम यूनिवर्सिटी समर्थकों का जमावड़ा मात्र थी। भट्ट ने तंज कसते हुए कहा कि आत्ममुग्ध कांग्रेस इस विफल रैली के भरोसे बैठी है, लेकिन प्रदेश की समझदार जनता उसे समय पर करारा जवाब देगी। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की यह रैली पूर्व में घोषित जनहित के मुद्दों से पूरी तरह भटकी हुई नजर आई और इसमें कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति साफ झलकी। महेंद्र भट्ट ने रैली के दौरान लगे नारों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रदर्शन में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के समर्थन में नारों की गूंज सुनाई दी, जिससे कांग्रेस का असली एजेंडा उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन (डेमोग्राफी चेंज) और धौलास सहित प्रदेश के अन्य हिस्सों में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर हमलावर होने का नाटक करती है, तो वहीं दूसरी ओर उसकी रैली में अवैध कब्जों के समर्थकों की स्पष्ट झलक दिखाई दी। भाजपा अध्यक्ष ने इस प्रदर्शन को झूठ और भ्रम फैलाने की एक और असफल कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि रैली में आम जनता की अनुपस्थिति यह सिद्ध करती है कि उत्तराखंड विकास के मार्ग पर बहुत आगे निकल चुका है और लोगों को अब कांग्रेस के राजनैतिक प्रपंचों में कोई रुचि नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस खुद गहरे भ्रम का शिकार है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जहाँ भाजपा आने वाले वर्ष को विकास की रफ्तार बढ़ाने के स्वर्णिम अवसर के रूप में देख रही है, वहीं कांग्रेस नेता केवल राजनैतिक षड्यंत्रों में व्यस्त हैं। रैली में मुस्लिम यूनिवर्सिटी और मदरसा बोर्ड की बहाली की मांग वाले बैनरों व तख्तियों का हवाला देते हुए भट्ट ने कहा कि इससे कांग्रेस का दोहरा चेहरा जनता के सामने स्पष्ट हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस इसी एजेंडे के साथ देवभूमि का विकास करना चाहती है? सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए भट्ट ने कहा कि पिछले चार वर्षों में वर्तमान सरकार ने विकास और जनकल्याण के अनगिनत और ऐतिहासिक (शेष पृष्ठ सात पर)

गदरपुर में विशाल हिंदू सम्मेलन 22 फरवरी को

विधायक पाण्डे ने किया दलगत भावना से हटकर सम्मेलन में जुटने का आहवान

गदरपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का हिंदू सम्मेलन आगामी 22 और 28 फरवरी को गदरपुर में होने जा रहा है। इस दौरान इलाके की सुख समृद्धि के लिए हवन यज्ञ भी होगा। पत्रकार वार्ता में इस आयोजन की जानकारी साझा करते हुए विधायक अरविंद पाण्डे ने दलगत भावना से उपर उठकर अधिक से अधिक संख्या में लोगों से इस सम्मेलन में जुटने का आहवान किया है। विधायक पाण्डे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने प्रत्येक शहर में बड़े सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी के तहत गदरपुर में दो सम्मेलन आयोजित होने हैं। पहला 22 फरवरी को आवास विकास स्थित हेडगेवार पार्क में और दूसरा 28 फरवरी को सनातन (शेष पृष्ठ 7 पर)

नाले में युवक का शव मिलने से सनसनी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। काशीपुर मार्ग स्थित रेलवे मालगोदाम रोड पर मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने एक नाले में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा। नाले में शव मिलने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने की कोशिशों में जुटी है।मिली जानकारी के अनुसार प्रात: काल जब लोग रेलवे मालगोदाम मार्ग से गुजर रहे थे, तब उन्हें नाले के भीतर एक शव दिखाई दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को नाले से बाहर निकाला। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी (शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के लिए टैली अकाउंटेंट, कैशियर, स्टोर मैनेजर आदि पदों पर युवक युवतियों एवं ड्राईवर की आवश्यकता है।

-:संपर्क करें:-
8433432291

नहर किनारे बसे लोगों के हटाने का किया विरोध

वर्षों से बसे लोगों ने मांगा मालिकाना हक

सितारगंज। नहर किनारे बसे लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिए जाने से परिवारों में हड़कंप मचा गया। उन्होंने कहा कि वह सालों से इस जमीन पर रह रहे हैं। ऐसे में यदि उन्हें उक्त जमीन से उन्हें हटाया गया, तो वह बेघर हो जाएंगे। सोमवार को परिवारों ने जमीन का मालिकाना हक देने की मांग को लेकर सीएम को संबोधित एसडीएम रविंद्र जुवांठा को ज्ञापन सौंपा। परिवारों ने कहा कि वह दशकों से उक्त जमीन पर वास कर रहे हैं। उनके पास बिजली, पानी आदि का कनेक्शन है। इसके अलावा वह नगर पालिका को टैक्स भी दे रहे हैं। बताया सिचाई विभाग ने नहर के आस-पास बसे लोगों को विभाग की जमीन पर बसे होने का नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है। यह भी चेताया कि यदि स्वंय अतिक्रमण नहीं हटाया तो वह उसे बलपूर्वक हटाने को बाध्य होंगे। वहीं पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने कहा कि उच्च न्यायालय के जिस रिट याचिका का हवाला देते हुए परिवारों को नोटिस दिए गया है। उस रिट में इन परिवारों का कहीं भी जिक्र नहीं है। मनमानी तरीके से लगभग 100 से अधिक परिवारों, जो पिछले 50 साल से अधिक समय से निवास कर रहे हैं। उन्हें उजाड़ने के लिए षड्यंत्र किया जा रहा है।

रुद्रपुर के डॉ. अंकित कुमार अल्माटी की कैस्पियन यूनिवर्सिटी में सम्मानित

चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और जटिल रोगों के सफल उपचार हेतु अंतरराष्ट्रीय सम्मान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। रुद्रपुर के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अंकित कुमार गुप्ता ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन किया है। कजाकिस्तान के अल्माटी स्थित कैस्पियन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान, उन्हें चिकित्सा शोध और विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान कैस्पियन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. (प्रो.) अयूब सईद द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. अंकित कुमार गुप्ता को यह सम्मान विशेष रूप से जटिल और गंभीर रोगों के सफल उपचार के साथ-साथ चिकित्सा पद्धति को आधुनिक शोध से जोड़ने के प्रयासों के लिए दिया गया है। उन्होंने अपनी चिकित्सा पद्धति के माध्यम से त्वचा रोग, पथरी (गुर्दा व पित्त), फैटी लिवर,

सोरायसिस, लिवर इनफर्टिलिटी, बच्चेदानी की गांठ, लिकोरिया, मानसिक रोग, गुप्त रोग, बाल झड़ना, पार्किंसन और मिर्गी जैसी गंभीर बीमारियों का होम्योपैथिक दवाओं के जरिए सफल उपचार कर मरीजों को नया जीवन दिया है। उनके इन कार्यों को अंतरराष्ट्रीय पटल पर विशेष रूप से सराहा गया और चिकित्सा जगत के लिए प्रेरणादायक बताया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अनुसंधान, उपचार पद्धति के विकास और वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. अंकित कुमार गुप्ता ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान की आवश्यकता पर बल देते हुए संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी अनुसंधान और मरीजों के बेहतर उपचार के लिए निरंतर समर्पित रहेंगे। डॉ. अंकित की इस बड़ी उपलब्धि पर उनके सहयोगियों, चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है। सभी ने इसे रुद्रपुर के साथ- साथ पूरे देश के लिए गर्व का विषय बताया है।

आयुर्वेदिक के ज्ञाता हकीम बाबा नक्षत्र सिंह का आकस्मिक निधन

गदरपुर। वार्ड नंबर 11 निवासी 90 वर्षीय बाबा नक्षत्र सिंह का आकस्मिक निधन होने पर क्षेत्र में दुख की लहर दौड़ गई उल्लेखनीय हो कि बाबा नक्षत्र सिंह

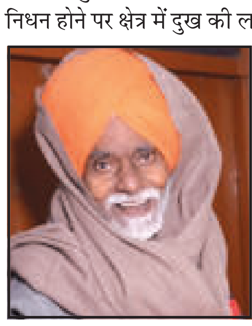

द्वारा आयुर्वेदिक दवाइयां और गुरबाणी पाठ के माध्यम से विभिन्न रोगों से गंभीर रूप से पीड़ित सैकड़ों लोगों का इलाज करके उन्हें नया जीवनदान दिया था। विगत 16 फरवरी दिन सोमवार देर रात्रि उन्होंने अंतिम सांस ली वह कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से भरे पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। उल्लेखनीय हो कि कुछ समय पूर्व उनके दो पुत्रों का भी निधन हो चुका है जबकि उन्होंने दुख की घड़ी में भी अपने को संयम में रखा उनके पुत्र दारा सिंह, शिंगारा सिंह, करमजीत सिंह और सोना सिंह के परिवार को दुख की घड़ी में विभिन्न सामाजिक,राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक ,शैक्षिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई ।

हादसे में घायल पिता की मृत्यु पर पुत्र ने कराया मुकदमा दर्ज

नानकमत्ता। कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए पुत्र ने हाईवे पर पिता को टक्कर मारकर घायल करने के पश्चात इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी तहरीर में जितेंद्र सिंह राणा पुत्र शिवराज सिंह राणा निवासी बिडोरा मझोला कोतवाली नानकमत्ता जिला उधम सिंह नगर ने कहा है कि 5 फरवरी को उसके पिता नेशनल हाईवे पर सूर्या रेस्टोरेंट से कुछ दूरी पर तेजी से लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसके पिता को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा था। इलाज के दौरान उसके पिता की मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कार ने ली युवक की जान, दूसरा गंभीर घायल

सितारगंज। क्षेत्र के बैगुल कॉलोनी कुंवरपुर निवासी दीपक कुमार के 18 वर्षीय पुत्र अनुराग कुमार की 9 फरवरी की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक अपने चाचा अभय कुमार के साथ साइकिल से सिसैया स्थित सुखमनी हॉस्पिटल दवा लेने जा रहा था। दिल्ली पब्लिक स्कूल सिसैया से करीब 50 मीटर पहले किच्छा की ओर से आ रही कार संख्या यूके 03 सी 5353 ने तेज रफ्तार और लापरवाही से साइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अनुराग ने तिरंगा चौराहे के पास दम तोड़ दिया। जबकि अभय कुमार की हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया और उसका इलाज पीलीभीत रोड स्थित एसएच हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शी जय प्रकाश ने घटना को अपनी आंखों से देखा। परिजनों ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महुआडाबरा में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित, 925 लोगों ने उठाया लाभ

जसपुर (उद संवाददाता)। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर पंचायत महुआडाबरा स्थित मंगल बाजार के बारात घर में विशाल बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में कुल 925 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान 113 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 42 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है ।शिविर में स्वास्थ्य विभाग का विशेष योगदान रहा, जहां 676 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। साथ ही 20 आयुष्मान कार्ड और 10 दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाए गए। होम्योपैथिक विभाग ने 98 और आयुष विभाग ने 52 लोगों की जांच कर उपचार दिया। श्रम विभाग द्वारा 16 श्रम कार्ड बनाए गए और 15 निर्माण श्रमिकों की चिकित्सा जांच की गई। समाज कल्याण

विभाग ने 7 व्यक्तियों के पेंशन आवेदन भरवाए, जबकि पूर्ति विभाग ने 8 लोगों के राशन कार्ड और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 महिलाओं को महालक्ष्मी किट और 5 को नंदा गौरा योजना से लाभान्वित किया गया। उद्यान विभाग ने सब्जी, मसाला व पुष्प विस्तार योजना और मशरूम उत्पादन योजना के तहत 10 लाभार्थियों को जोड़ा। शिविर में 81 व्यक्तियों के आधार कार्ड भी बनाए गए और उद्योग विभाग ने 3 युवाओं को मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ प्रदान किया।राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ब्रॉयलर फार्म प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री बाल व महिला पोषण योजना, पशुधन बीमा और अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजना के माध्यम से कुल 610 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार, जिलाध्यक्ष मनोज पाल और उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह सहित जनपद व तहसील स्तर के विभिन्न अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिवरात्रि के अवसर पर रामलीला का भव्य मंचन शुरू

कोतवाल चेतन रावत ने किया उद्घाटन

टनकपुर (उद संवाददाता)। देवभूमि रामलीला समिति द्वारा विगत वर्षों की परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी शिवरात्रि के महापर्व पर रामलीला का भव्य शुभारंभ किया गया। रात्रि 8:00 बजे से प्रारंभ हुई रामलीला का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि टनकपुर कोतवाल चेतन रावत, विशिष्ट अतिथि बीडीसी मेंबर ममता देवी, अंबादत पंत, तपन गढ़कोटी, जगदीश पर्काई और श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष बंशीधर चोड़कोटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के पश्चात रामलीला के मंच पर प्रार्थना के साथ शिव-पार्वती प्रसंग और रावण द्वारा कैलाश पर्वत को हिलाने के सुंदर व सजीव दृश्य का मंचन किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में देवभूमि रामलीला के अध्यक्ष बंशीधर चोड़कोटी, उपाध्यक्ष हरीश कांडपाल, सचिव जगदीश पंत, उपसचिव हरिश जोशी, कोषाध्यक्ष गोविंद चोड़कोटी और सह कोषाध्यक्ष चंदन सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच पर कलाकारों की प्रस्तुति में हारमोनियम वादक जगदीश उप्रेती और तबला वादक प्रकाश जोशी ने सुरीली संगत दी। कलाकारों का आकर्षक श्रृंगार मेकअप मास्टर श्याम सिंह बिष्ट द्वारा किया गया।इस अवसर पर संरक्षक अंबादत पंत, जगदीश परगाई, मदन भट्ट, प्रदीप जोशी,

मुकेश जोशी, सुनील नरियाल, पवन पंत, नवीन जोशी, आशीष जोशी, राजन जोशी, दीपक जुकरिया, नवीन नरियाल और मीडिया सहयोगी नवीन भट्ट सहित समिति के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। शिवरात्रि के विशेष अवसर पर शुरू हुई इस रामलीला को देखने के लिए स्थानीय जनता में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

आपदा प्रबंधन कार्यों के लिए करोड़ों की धनराशि स्वीकृत

देहरादून (उद संवाददाता)। सचिवालय में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में राज्य आपदा मोचन निधि एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु राज्य कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने के लिए विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा के बाद भारी भरकम बजट को मंजूरी दी गई। मुख्य सचिव ने आपदा मोचन निधि के तैयारी एवं क्षमता निर्माण मद से चालू वित्तीय वर्ष में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस दूरसंचार द्वारा उत्तराखंड पुलिस संचार नेटवर्क को आधुनिक बनाने के लिए 15.34 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की। इसके साथ ही मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए वन्यजीव प्रतिपालक द्वारा वन प्रभागों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु 11 करोड़ रुपये और संघर्ष राहत वितरण के लिए अपर प्रमुख वन संरक्षक को 15 करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया गया।राजस्व परिषद के अंतर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त हुई पटवारी चौकियों के पुनर्निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसमें 30 से 70 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त 225 चौकियों और 70 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त 37 चौकियों के लिए कुल 14.95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त संपत्तियों के पुनरोद्धार हेतु 25 करोड़ रुपये और उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण को मानसून के दौरान बादल फटने व अतिवृष्टि से बंद हुए मार्गों को खोलने के लिए 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

इसके अतिरिक्त डॉ. रघुनंदन सिंह टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की गतिविधियों के लिए 44.50 लाख रुपये मंजूर किए गए। बैठक में अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल, टिहरी गढ़वाल, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल और पिथौरागढ़ के जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन कार्यों हेतु कुल 92.50 करोड़ रुपये की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। सिंचाई विभाग के प्रस्तावों पर निर्णय लेते हुए मुख्य सचिव ने चमोली के गैरसैण में रामगंगा नदी से हो रहे भू-कटाव को रोकने और आवासीय भवनों की सुरक्षा के लिए 6.83 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। उत्तरकाशी के हर्षिल में भागीरथी नदी के तट पर सुरक्षा कार्यों हेतु 10.24 करोड़ और जनपद चंपावत की तहसील पूर्णागिरी में हुड्डी नदी की बाढ़ से ग्राम छानीगोठ को बचाने के लिए 5.97 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। हरिद्वार के खानपुर में असुरक्षित पुलों और क्षतिग्रस्त मोटर मार्गों के लिए लोक निर्माण विभाग को 6.77 करोड़ तथा बहादराबाद के सिडकुल और गंगा नगरी क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा कार्यों हेतु क्रमशः 2.78 करोड़ और 50.14 लाख रुपये की अनुमति दी गई।बैठक में देहरादून और अन्य क्षेत्रों के लिए भी महत्वपूर्ण बजट जारी किया गया। इसमें उत्तरकाशी के नौगांव में बनाल गाड हेतु 1.7 करोड़, सहसपुर में नून नदी के तट पर दयानगर और जामुनवाला खेल मैदान की सुरक्षा हेतु 4.81 करोड़ रुपये मंजूर हुए। रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाल्दी, नालापानी राव, रिस्पना, सौंग और दुल्हनी नदी में क्षतिग्रस्त पुस्तों के निर्माण के लिए 4.87 करोड़ तथा रिस्पना नदी के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा कार्यों हेतु 2.63 करोड़ और 91 लाख रुपये के अलग-अलग बजट स्वीकृत किए गए। धर्मपुर क्षेत्र में सुस्वा नदी के तटों पर सुरक्षा कार्य के लिए 4.30 करोड़ और बेलखेत में क्वैराला नदी पर 85 मीटर स्पान के पैदल झूला पुल निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को 4.82 करोड़ रुपये की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया गया।

तहसीलों में निजी व्यक्तियों की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं: डीएम

हल्द्वानी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सोमवार को हल्द्वानी कैंप कार्यालय में मासिक स्टाफ बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व एवं नागरिक सेवाओं से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि विरासतन, नामांतरण और भूमि विवादों से संबंधित प्रकरणों में किसी भी प्रकार की देरी न की जाए। राजस्व मजिस्ट्रेटों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित पुराने वादों के समयबद्ध निस्तारण हेतु नियमित रूप से न्यायालय में बैठकर सुनवाई की जाए। पारदर्शिता के लिए उन्होंने आदेश दिया कि सभी मजिस्ट्रेट अपने न्यायालय कक्ष के बाहर एक बोर्ड लगाएंगे, जिस पर न्यायालय में बैठने का दिन और तिथि स्पष्ट रूप से अंकित होगी। प्रशासन की छवि को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि तहसीलों के कामकाज में किसी भी निजी व्यक्ति की दखलंदाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर से किसी भी प्रकार की भ्रष्टाचार या लापरवाही की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने राजस्व प्रमाण पत्रों को

निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी करने और ग्राम स्तर पर चौपाल लगाकर विवादों को सुलझाने के निर्देश दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए डीएम ने लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह संग्रह अमीनों की कार्यकुशलता की समीक्षा की जाए। यदि किसी अमीन की वसूली औसत से कम पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त आबकारी विभाग को जनपद में अवैध मदिरा की बिक्री और तस्करी रोकने के लिए नियमित छापेमारी करने के कड़े निर्देश दिए गए। विभिन्न आयोगों के लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तर से जाने वाली रिपोर्ट समय पर भेजी जाए और किसी भी स्तर पर निष्क्रियता न दिखाई जाए। उन्होंने तीन माह से अधिक समय से लंबित वादों और मजिस्ट्रियल जांचों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने की हिदायत दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक राय, पुलिस अधीक्षक (नगर) मनोज कत्याल, सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी एपी बाजपेयी सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा गुरिंदर के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों पर रोक लगाने की मांग

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता दलीप सिंह मक्कड़ ने केन्द्रीय कानून मंत्री के कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से राधा स्वामी व्यास डेरा के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों पर रोक लगाने व आरोप लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बाबा गुरिन्दर सिह ढिल्लों जी राधा स्वामी व्यास डेरा के प्रमुख्य सतगुरु जी है। करोडो लोग उनका सत्संग सुनते है और बहुत से लोग नामदान की दीक्षा भी लेते है। मक्कड़ ने कहा है कि व्यास सतगुरुओं की खास हिदायत होती है मांस शराब और अन्य कोई नशा नही करना है। ये बाते तय होती है हक हलाल की कमाई करनी है, अपने चरित्र को ठीक रखना है, ढाई घंटा नाम पर बैठना और ध्यान लगाना, जिनकी

आर्थिक स्थिति मजबूत है वो दसवां हिस्सा खुशी से दान देना ये शर्ते मंजूर होती है तो चाहे पुरुष हो या महिला हो तब व्यास के सत गुरु तब नामदान देते है। व्यास के सतगुरुओं का ये उपदेश अनुयायिओं से किसी का भी बुरा नही करना है ना किसी का दिल दुखाना है चाहे कोई भी सृष्टि का जीव हो। ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि जिस तरह आज कुछ शरारती तत्व एवं भ्रम की स्थिति पैदा करने वाले व्यास सतगुरु बाबा जी गुरिंदर सिंह जी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियाँ बिना तथ्यों के कर रहे हैं इन लोगों पर तुरंत प्रतिबन्ध लगाने की कृपा करे और उन पर सख्ती से कार्यवाही की जाये।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी ने मंडी समिति एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ की बैठक

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। डॉ. मंजूनाथ टीसी एसएसपी द्वारा हल्द्वानी के मंडी क्षेत्र में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करने तथा अराजक तत्वों की गतिविधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से हल्द्वानी स्थित कार्यालय में कृषि उत्पादन मंडी समिति हल्द्वानी (ट्रांसपोर्ट नगर, बरेली रोड) के सचिव समेत पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मंडी समिति एवं पुलिस के अधिकारियों की एक संयुक्त कमिटी गठित की जाएगी, जिसमें मंडी, फायर, पुलिस एवं संचार के हितधारकों को शामिल किया जाएगा। गठित कमेटी द्वारा मंडी परिसर का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा।उन्होंने बताया मंडी परिसर में सतत निगरानी हेतु सीसीटीवी ग्रिड तैयार किया जाएगा।

उन्होंने पर्याप्त विजिबिलिटी हेतु मंडी सचिव को पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया।प्रभावी सुरक्षा स्थापित करने हेतु मंडी गेट पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी।मंडी में कार्य करने वाले सभी मजदूरों, श्रमिकों का सत्यापन किया जाएगा। प्रत्येक आढ़ती, मजदूर अथवा कर्मचारी को मंडी समिति द्वारा पृथक से एक परिचय पत्र कार्ड भी प्रदान किया जाएगा। मंडी परिसर की कैंटीन रात्रि 9 बजे से प्रात: 3 बजे तक बंद रहेगी। मंडी परिसर में स्थित भवनों की छतों अथवा ऊंचाई वाले स्थानों को जाने वाले मार्गो, सीढ़ियों को बंद किया जाएगा। गोष्ठी के दौरान मनोज कुमार कत्याल पुलिस अधीक्षक, दिग्विजय सिंह देव सचिव कृषि उत्पादन मंडी समिति, विजय सिंह मेहता प्रभारी निरीक्षक, मंडी समिति के अन्य प्राधिकारी मौजूद रहे।

रामनगर में मल्टी स्टोरी पार्किंग को जल्द मिलेगी मंजूरी

रामनगर (उद संवाददाता)। कॉर्बेट नगरी और पर्यटन नगरी रामनगर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और पर्यटकों की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने मल्टी स्टोरी पार्किंग निर्माण की दिशा में पहल तेज कर दी है। पुरानी तहसील के पास जिला विकास प्राधिकरण के तहत प्रस्तावित इस पार्किंग को लेकर जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने बताया कि परियोजना शासन के संज्ञान में है और जल्द ही इसकी व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस मल्टी स्टोरी पार्किंग में करीब 343 वाहनों के खड़े होने की क्षमता होगी, जिससे शहर में लंबे समय से चली आ रही पार्किंग समस्या और जाम की स्थिति से राहत मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि कॉर्बेट सफारी, वीकेंड पर्यटन और विभिन्न सीजन में रामनगर में पर्यटकों की भारी आमद रहती है, जिसके कारण शहर की यातायात व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ऐसे में यह पार्किंग परियोजना शहर के लिए अहम साबित होगी। इसके साथ ही ललित मोहन रयाल ने रिसोर्ट संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि रोड साइड पार्किंग को व्यवस्थित करने, खेल मैदान और मिनी स्टेडियम के विकास, पार्कों के सौंदर्यीकरण और शहर के समग्र यातायात सुधार को लेकर जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे। शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए सड़कों की श्वेत रेखांकन (व्हाइट लाइनिंग) और यातायात प्रबंधन जैसे कार्य तेजी से किए जाएंगे। प्रशासन का लक्ष्य रामनगर को पर्यटन के अनुरूप सुव्यवस्थित बनाना है।

फ्लॉप रहा पूर्व विधायक शुक्ला का रोड शो: बेहड़

किच्छा (उद संवाददाता)। किच्छा के विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता तिलक राज बेहड़ ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला द्वारा किच्छा नगर पालिका और सिरौली कला को लेकर किए गए प्रदर्शन

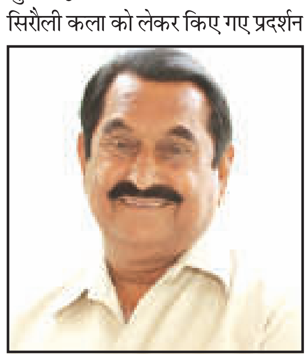

पर तीखा प्रहार करते हुए इसे पूरी तरह फ्लॉप शो करार दिया है। बेहड़ ने कहा कि हजारों की भीड़ का दावा करने वाले नेता 500 लोग भी नहीं जुटा पाए। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह तक घर-घर पर्चे बांटकर और झूठा प्रचार करने के बावजूद जनता ने इस प्रदर्शन को सिरे से खारिज कर दिया। बेहड़ ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किच्छा के लोगों ने कानून और संविधान का सम्मान किया है और बांटने की राजनीति को समर्थन न देकर यह साबित कर दिया है कि वे छल-कपट को समझ चुके हैं। तिलक राज बेहड़ ने भाजपा नेताओं पर पलटवार करते हुए कहा कि जो लोग कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं, वे अपने गिरेबान में झांककर देखें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके नेता मजारें-मस्जिदें तोड़ने और थूक जिहाद, लैंड जिहाद व लव जिहाद जैसे नारों के जरिए देश-प्रदेश में नफरत फैलाकर वोट पाने का खेल खेल रहे हैं। बेहड़ ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई को साथ लेकर चलने का काम किया है, जबकि आज भाजपा नेता मुसलमानों का हितैषी बनने का ढोंग कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि जो नेता कल तक एक विशेष समुदाय को अपमानित करते थे और 'टोपी वालों' का मजाक उड़ाते थे, वे आज चुनाव हारने के बाद घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।विधायक बेहड़ ने इस प्रदर्शन की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन्हें पार्टी ने तीन-तीन बार टिकट दिया, उन्होंने आज अपने प्रदर्शन से भाजपा को ही दरकिनार कर दिया। प्रदर्शन में पार्टी का झंडा और बैनर तक न लगाना यह दर्शाता है कि यह भाजपा का नहीं बल्कि पूर्व विधायक का व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रेरित प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में भाजपा की सरकार है और शासन-प्रशासन उनका है, तो वे आखिर किसे अपनी ताकत दिखाना चाह रहे हैं? उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करना हास्यास्पद है।बेहड़ ने स्पष्ट किया कि मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में जनता को गुमराह कर सड़कों पर लाना न्यायपालिका का अनादर है। उन्होंने कहा कि 10 साल विधायक रहते हुए राजेश शुक्ला ने न तो मुस्लिम क्षेत्रों में और न ही शहरी वार्डों में कोई ठोस विकास कार्य किया। जनता अब जान चुकी है कि विकास का एक पत्थर न लगाने वाले लोग केवल चुनाव के लिए प्रपंच कर रहे हैं। उन्होंने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि न्यायालय का जो भी फैसला होगा, वह हमें मान्य होगा। किच्छा और सिरौली कला एक रहें या अलग हों, दोनों ही स्थितियों में जनता के समर्थन से कांग्रेस की ही जीत होगी और कांग्रेस के ही अध्यक्ष बनेंगे।

किच्छा को नगर निगम बनाने की जरूरत : पपनेजा

किच्छा (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय राहुल गांधी ब्रिगेड के पूर्व प्रदेश सचिव भूपेंद्र कुमार उर्फ बंटी पपनेजा ने सिरौली कला को अलग नगर पालिका बनाने और किच्छा-सिरौली के चुनाव पृथक कराने की मांग को लेकर भाजपा द्वारा किए गए प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला है। पपनेजा ने इस पूरे घटनाक्रम को महज एक श्राजनैतिक नौटंकीश करार देते हुए कहा कि यदि सिरौली को अलग किया गया, तो किच्छा नगर पालिका में शामिल अन्य क्षेत्र भी इसी तरह की मांग करेंगे, जो विकास की दृष्टि से घातक सिद्ध होगा। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वास्तव में क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है, तो किच्छा नगर पालिका को श्नगर निगमश का दर्जा दिया जाना चाहिए।पपनेजा ने आरोप लगाया कि अलग नगर पालिका बनाने का जो प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है, वह जनहित में नहीं बल्कि कुछ नेताओं की व्यक्तिगत अहम की लड़ाई है। उन्होंने प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें सिरौली के स्थानीय लोगों की भागीदारी न के बराबर थी और मंच पर भी बाहर के लोगों को ही जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर सिरौली के लोगों ने इस आंदोलन में दायित्व क्यों नहीं

लिया? भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बार नगर पालिका चुनाव में जब सिरौली कला किच्छा के साथ शामिल था, तब कांग्रेस प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत हुई थी। इसी हार से बौखलाई भाजपा ने सरकार की आड़ में सिरौली को अलग करने का षड्यंत्र रचा, जिसके कारण चुनाव प्रक्रिया बाधित हुई और आज किच्छा का विकास पूरी तरह ठप पड़ा है।कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि भाजपा सरकार प्रशासन के माध्यम से एक वर्ग विशेष को भू-स्वामित्व का डर दिखाकर डराने का काम कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि भाजपा सिरौली को नगर पालिका बना सकती है, तो उसे बंडिया, देवरिया और आजाद नगर जैसे क्षेत्रों को भी यही दर्जा देना चाहिए। पपनेजा ने उन नेताओं को भी आड़े हाथों लिया जिन्होंने पहले विधानसभा सत्र में प्रस्ताव पारित कर सिरौली को किच्छा में शामिल कराया था और अब राजनैतिक स्वार्थ पूरे न होने पर इसे अलग करने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि माननीय न्यायालय ने भी सिरौली को किच्छा नगर पालिका का हिस्सा मानते हुए याचिकाओं पर सुनवाई जारी रखी है। उन्होंने भाजपा को नसीहत दी कि वे रुद्रपुर नगर निगम से प्रेरणा लें और किच्छा के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना बंद कर इसे नगर निगम बनाने का प्रयास करें।

पुरातन सनातन शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गदरपुर (उद संवाददाता)। नगर के श्री पुरातन सनातन शिव मंदिर में प्रत्येक वर्ष की परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी कांवड़ियों के जलाभिषेक के अगले दिन भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी, जहां शिव भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। श्रद्धा और भक्ति के इस समागम में आयोजित विशाल लंगर में सैकड़ों लोगों ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा और मंदिर परिसर निरंतर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान होता रहा। श्रद्धालुओं के उत्साह और सेवा भाव ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मंदिर समिति के अध्यक्ष जयकिशन अरोड़ा ने भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मंदिर में हर वर्ष इसी प्रकार श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजन किया जाता है, जिसमें नगरवासी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और सहयोग करते हैं। उन्होंने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले सभी सदस्यों और सेवादारों का विशेष रूप से धन्यवाद किया।

संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार का मूल मंत्र

सीएम धामी ने चौपाल में सुनी समस्याएं,सरकार अब फाइलों में नहीं, मैदान में काम करेगी

हरिद्वार(उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम आर्यनगर (गाजीवाली), श्यामपुर कांगड़ी में आयोजित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के अंतर्गत आयोजित मुख्य सेवक की चौपाल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच बैठकर सीध संवाद किया और स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अब फाइलों में नहीं, मैदान में काम करेगी।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शिकायत को लंबित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं पर देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उनका निस्तारण मौके पर ही किया जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि "मुख्य सेवक की चौपाल" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का जीवंत प्रमाण है। सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे।मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि राज्य सरकार जनहित के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सरकार का लक्ष्य है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी और सरकार जनता के साथ खड़ी है – हर समय, हर परिस्थिति में।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है। उन्होंने स्वयं को जनता से अलग नहीं, बल्कि उनका सेवक बताते हुए कहा कि जनता की संतुष्टि ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।मुख्यमंत्री ने कहा कि "मुख्यसेवक की चौपाल" कोई औपचारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का एक जीवंत मंच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे यहां लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के लिए आए हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार का मूल मंत्र है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनहित सर्वोपरि रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि किसी की आवाज दबाई नहीं जाएगी और कोई शिकायत अनसुनी नहीं रहेगी। सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के अंतर्गत बीते डेढ़ माह में पूरे प्रदेश में लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का सशक्त सेतु है।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 28,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से योग्य युवाओं को अवसर प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए भी निरंतर प्रोत्साहित कर रही है, जिससे प्रदेश का युवा आत्मनिर्भर बन सके और राज्य के समग्र विकास में भागीदार बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आय में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान, कृषि उत्पादों के बेहतर मूल्य, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों के समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर उत्तराखंड ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सामाजिक समरसता, समानता एवं न्याय की भावना को सुदृढ़ करने वाला है। उन्होंने इसे राज्य की जनता के हित में लिया गया दूरदर्शी एवं साहसिक निर्णय बताया।मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की भावना के साथ कार्य कर रही है तथा प्रदेश के युवाओं, किसानों और आमजन के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगी।हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधार अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है तथा कृषि को लाभकारी बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के सुझाव ही सरकार के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। सरकार और जनता यदि साथ मिलकर कार्य करें तो विकास की कोई सीमा नहीं रहती। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों के सहयोग और विश्वास से उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के "विकल्प रहित संकल्प" को अवश्य सिद्ध किया जाएगा।कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

महावीरनगर में सड़क का हुआ शिलान्यास, लोगों को मिलेगी राहत

गदरपुर (उद संवाददाता)। गदरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम महावीरनगर में विकास कार्यों को नई दिशा देते हुए 'मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना' के तहत बनने वाली 900 मीटर लंबी सड़क का विधिवत शिलान्यास किया गया। करीब 77 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी और ग्रामीण विकास को नई गति देगी। इस सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा द्वारा किया गया। सड़क की आधारशिला रखे जाने के साथ ही ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग अब धरातल पर उतरने जा रही है।शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए गुंजन सुखीजा ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है, जिससे ग्रामीणों का जीवन सुगम हो सके। उन्होंने कहा कि महावीरनगर के ग्रामीणों की सड़क की मांग काफी पुरानी थी जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा और किसी भी गांव को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। सड़क निर्माण की शुरुआत से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है और उनका मानना है कि इससे दैनिक आवागमन के साथ ही बरसात के दिनों में होने वाली भारी परेशानी से भी स्थायी राहत मिलेगी। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर, वरिष्ठ भाजपा नेता तिलक राज गंभीर, अशोक वर्मा, मनोहर प्रकाश, ग्राम प्रधान मयंक कालरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य किरण रानी सहित अनेक सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने इस कार्य को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम के अंत में एक विशाल लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी कार्य के लिए सरकार और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

धूमधाम के साथ मनाया गया महर्षि दयानन्द का बोधोत्सव

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आर्य समाज रम्पुरा, किच्छा मार्ग रुद्रपुर में आर्य समाज के प्रवर्तक महर्षि दयानन्द का बोधोत्सव हर्षोल्लास के वातावरण में धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ-प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा जिला आर्य सभा के प्रधान डा. विश्वामित्र आचार्य के ब्रह्मात्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. प्रतिभा शास्त्री ने की, जबकि संचालन मंत्री विनीत कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महर्षि दयानन्द के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को साझा किया।वक्ताओं ने बताया कि आज के ही दिन बालक मूल शंकर (महर्षि दयानन्द) ने शिव मंदिर में देखा कि शिव पिंड के ऊपर चूहे नैवेद्य का भक्षण कर रहे हैं। इस दृश्य ने उनके मन में कई प्रश्न पैदा किए कि जो स्वयं अपनी रक्षा करने में असमर्थ है, वह राष्ट्र और धर्म की रक्षा कैसे कर सकेगा। बालक मूल शंकर ने यही प्रश्न अपने पिता कर्शन तिवारी से किए, जिस पर पिता ने निरुत्तर होकर उन्हें घर भेज दिया। यहीं से बालक के मन में सच्चे शिव और सच्चे धर्म को खोजने का संकल्प जागा। सच्चे गुरु की तलाश में दुर्गम पहाड़ों और बनारस की यात्रा करते हुए वे अंत में मथुरा पहुंचे। वहां गुरु प्रज्ञाचक्षु विरजानन्द की कुटिया में ढाई वर्षों तक व्याकरण और शास्त्रों का गहन अध्ययन कर वे अलौकिक विद्वान बने। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 1875 में आर्य समाज की स्थापना की, जिसने विश्व को धर्म का सच्चा स्वरूप बताने का कार्य किया।समारोह में महेन्द्र पाल आर्य, अनोखे लाल आर्य, प्रभाष चन्द अग्रवाल, डा. आर एस वर्मा, सत्यदेव सिंह आर्य, सुदेश चन्द्र गुप्ता, नाथ मण्डल, विनोद कुमार कुशवाहा, मनोज भटनागर, वेद आर्य, सुमेंधा आर्या, प्रतिमांशु, अमितांशु, सोना देवी, शोभा, अंजलि, कंचन, रघुवीर सिंह, दुर्गा, वेद प्रकाश, नीरज, अंशिका, देवेन्द्र नाथ नैतिक और आशा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

सुपर इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। खेड़ा स्थित सुपर इंटर कॉलेज के प्रांगण में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने शिरकत की और 'कमला नेहरू योजना' के अंतर्गत छात्राओं को चेक वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भारत भूषण चुघ ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में शिक्षा ही वह एकमात्र माध्यम है, जिससे युवा नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने शिक्षा को लेकर अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की हैं, जिनका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिल रहा है। चुघ ने जोर देते हुए कहा कि सरकार का प्रयास है कि कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से अछूता न रहे, क्योंकि बिना शिक्षा के जीवन अधूरा है। समारोह के दौरान दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता वेद ठुकराल और कस्तूरी लाल तागरा ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए चेक वितरित किए। योजना का लाभ पाने वाली छात्राओं में मुस्कान, सादिया, नूरानी, सना, परवीन और आसरा शामिल रहीं। श्री दत्ता, श्री तागरा और अजय गोस्वामी ने छात्र-छात्राओं के साथ साक्षात्कार भी किया और उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संवाद सत्र में नेताओं ने छात्रों को सफलता के महत्वपूर्ण टिप्स दिए और बताया कि किस प्रकार कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से वे अपने भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इस गरिमामयी विदाई समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय गोस्वामी, रजनी लोहानी, चंदन कुमार, सोनू रस्तोगी, अंजलि गंगवार, रंजीत पाल, रेखा रानी, पूनम मंडल, सुनीता आर्य, प्रीति रानी, पूनम शर्मा, भीम सिंह, मंजू भारती, रेणुका, फिजा, लक्ष्मी, फरहा, फिरदौस, शोभा, काजल पाल, शिरीन, कमलेश, नूरी, पुष्पा और आलिया सहित कई लोग मौजूद रहे। शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं को आगामी बोर्ड परीक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

जस्सी गिल और बब्बल राय के गीतों पर झूमा रुद्रपुर

बॉलीवुड गायकों की सुरमयी तान और हास्य कवियों के ठहाकों से गुलजार हुआ सरस आजीविका मेला

रुद्रपुर। गांधी पार्क के मैदान में आयोजित सरस आजीविका मेला (यू. एस. नगर कार्निवाल) के तृतीय दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने मनोरंजन की नई ऊंचाइयों को छुआ। कला, संगीत और हास्य के इस अद्भुत महासंगम ने मेले में पहुंचे विशाल जनसमूह को उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से पूरी तरह सराबोर कर दिया। यह शाम न केवल मनोरंजन का साधन बनी, बल्कि दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय और जीवंत अनुभव साबित हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देश के सुप्रसिद्ध बॉलीवुड एवं पंजाबी गायक जस्सी गिल और बब्बल राय रहे। जैसे ही ये सितारे मंच पर पहुंचे, दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया। जस्सी गिल ने अपनी ऊर्जावान आवाज और लोकप्रिय गीतों से पूरे आयोजन स्थल को उत्सवमय माहौल में बदल दिया। युवाओं में उनकी दीवानगी इस कदर देखी गई कि

हर तरफ हाथ में मोबाइल लिए लोग कुर्सियों पर चढ़कर उनके गीतों को रिकॉर्ड करने लगे। जस्सी गिल ने अपने सुपरहिट गानों 'श्बापू जमींदार', 'निकले करंट', तेरे यार जो... काली एक्टिवा दा, जूती थल्ले रख दिया मित्रा ने दिल नूं और लाडा जांदी नी हाले जस्सी गिल नूं जैसे गीतों की झड़ी लगा दी, जिससे देर रात तक पूरा पंडाल संगीत की धुनों पर थिरकता रहा। संगीत के इस सफर से पूर्व, मंच पर हास्य की महफिल सजी। देश के विख्यात हास्य कवि सुदीप भोला, रशिक गुप्ता एवं प्रताप फौजदार ने अपनी तीखी व्यंग्यात्मक शैली और प्रभावशाली हास्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को लोटपोट कर दिया। उनकी कविताओं ने न केवल गुदगुदाया बल्कि समाज के विभिन्न पहलुओं पर चोट भी की। वहीं, पंखुड़ी और लक्षिता डांस ग्रुप के कलाकारों ने अपनी रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। सांस्कृतिक संध्या में सैंड आर्टिस्ट रजत कुमार की मनमोहक प्रस्तुति विशेष चर्चा का विषय रही। उन्होंने रेत के माध्यम से पलक झपकते ही जीवंत कलाकृतियों का सृजन कर दर्शकों को कला की एक अनूठी दुनिया से रूबरू कराया। उनकी इस रचनात्मकता ने सांस्कृतिक संध्या की भव्यता में चार चांद लगा दिए। सरस आजीविका मेला अब केवल ग्रामीण उत्पादों और स्वरोजगार को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह सांस्कृतिक एकता का एक विशाल केंद्र बनकर उभरा है। यह आयोजन समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने और ग्रामीण शिल्पकारों के हुनर को बड़े मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, उपजिलाधिकारी गौरव पांडे व ऋचा सिंह, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, मुख्य शिक्षा अधिकारी के.एस. रावत, जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

भाविप ने आयोजित किया रक्तदान व एनीमिया जांच शिविर

हल्द्वानी।। भारत विकास परिषद शाखा हल्द्वानी द्वारा सोमवार को एक रक्तदान तथा एनीमिया जांच शिविर का आयोजन लामाचौड़ स्थित एमआईईटी शिक्षा नगर में किया गया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया जिसमें 30 यूनिट ब्लड सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल के लिए एकत्रित किया गया।शिविर में 23

छात्राओं का एनीमिया जांच बेस हॉस्पिटल के चिकित्सकों के द्वारा हुई जिसमें 11 छात्राएं एनीमिक पाई गई। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रांतीय संरक्षक भगवान सहाय अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक रक्तदान भवानी शंकर नीरज, शाखा अध्यक्ष दीपक बख्शी, एमआईईटी कुमाऊं नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रोफेसर स्वपना वरुघेश, सचिव डॉ निधि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, डॉ अभिषेक मित्तल,एकता अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सीमा बक्शी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सरस मेले में विशेषज्ञों ने सिखाए प्रकृति संरक्षण और बर्ड वॉचिंग के गुर

रूद्रपुर। गांधी पार्क में आयोजित सरस आजीविका मेले के तीसरे दिन वन विभाग के समन्वय से विभिन्न विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उपस्थित स्कूली बच्चों और आम

जनमानस को जागरूक करते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कई उपयोगी जानकारियां साझा की गईं। नेचर साइंस इनिशिएटिव ऑर्गनाइजेशन के निदेशक डॉ. रमन ने सतत जीवनशैली के लिए व्यवहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि संसाधनों का संतुलित उपयोग, प्लास्टिक का त्याग और ऊर्जा की बचत जैसे छोटे व्यक्तिगत प्रयास प्रकृति संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैंपक्षी प्रेमी राजेश भट्ट ने जैव विविधता के सूचक के रूप में पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पक्षियों की पहचान और उनके आवास को समझने की आवश्यकता बताई। वहीं राजीव बिष्ट ने बर्ड वॉचिंग को रोजगार के एक नए अवसर के रूप में प्रस्तुत करते हुए स्थानीय लोगों को इससे मिलने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी। वन विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य प्रशासनिक अधिकारी केएस सजवाण ने श्एथिकल बर्डिंगश यानी नैतिक पक्षी दर्शन के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि पक्षियों को बिना परेशान किए और उनके घोंसलों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही अवलोकन व संरक्षण करना चाहिए। कार्यक्रम में नानकमत्ता पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा जिया कठायत ने भी अपनी उम्र के बच्चों से प्रकृति और पक्षियों से प्रेम करने का आह्वान किया। गौरतलब है कि जिया का चयन 'यंग बर्डर यूएस' में भी किया गया है। प्रभागीय वनाधिकारी तराई केंद्रीय वन प्रभाग यूसी तिवारी ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में आम जनता की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने मेले का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर, एसडीओ वन शशि देव सहित वन विभाग के कार्मिक व अन्य मौजूद थे।

सरस मेला बना हुनर और नारी शक्ति का महासंगम

रूद्रपुर।उधम सिंह नगर में आयोजित सरस आजीविका मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण आत्मा और नारी शक्ति के अदम्य साहस का उत्सव बनकर उभरा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की इस अनूठी पहल के माध्यम से देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आई महिला शिल्पकार अपने हुनर, कला और परंपराओं को शहर तक लेकर आई हैं। सरस महोत्सव विविधता में एकता का जीवंत उदाहरण पेश कर रहा है। दस दिनों तक चलने वाला यह मंच हस्तशिल्प, हथकरघा और ग्रामीण उत्पादों की अनमोल विरासत का साक्षी बनेगा, जहां एक ओर विभिन्न प्रदेशों के पारंपरिक स्वाद चखने को मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महफिल सज रही है।परियोजना निदेशक डीआरडीए

हिमांशु जोशी ने बताया कि सरस मेले में जनपद और विभिन्न प्रदेशों के कुल 180 स्टाल लगाए गए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 14 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मेले का विधिवत शुभारंभ किया गया था। मेले के प्रति जनता के भारी उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विगत दो दिनों के भीतर ही स्टालों के माध्यम से 23 लाख 67 हजार 777 रुपये की शानदार बिक्री दर्ज की गई है। यह मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी कला को नई पहचान देने की दिशा में एक बड़ा मंच साबित हो रहा है।

चेकिंग अभियान में 18 वाहन किये सीज

काशीपुर और बाजपुर में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देशों के क्रम में परिवहन विभाग और पुलिस की टीमों ने काशीपुर व बाजपुर क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी संदीप वर्मा के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई से नियम विरुद्ध वाहन चलाने वालों में हड़कंप मचा रहा। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, ओवर स्पीड, बिना नंबर प्लेट, बिना परमिट और अधूरे दस्तावेजों के साथ सड़क पर दौड़ रहे कुल 80 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई।चेकिंग के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर टीम ने 18 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया।

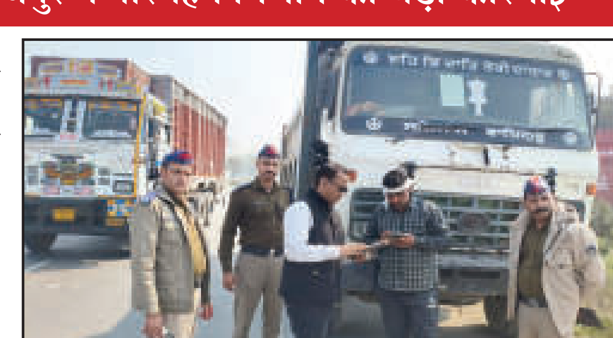

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी संदीप वर्मा ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने वाहन स्वामियों को चेतावनी दी कि बिना वैध प्रपत्रों और क्षमता से अधिक भार लादकर वाहन चलाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अभियान में पुलिस बल के साथ परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल के सदस्य शामिल रहे।

उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

एआई शिखर सम्मेलन

तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है।इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है।दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई। हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है।यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है। चिकित्सा जगत में एआइ का उपयोग बीमारी की पहचान से लेकर इलाज में भी होने लगा है। अपराध पर लगाम लगाने के मामले में एआइ की उपयोगिता साबित हो चुकी है।शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। जाहिर है, विकास के नए मानक रचने और आधुनिक दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए एआइ के मामले में हर वक्त अद्यतन रहने की जरूरत होगी। मगर रोजगार के अवसरों के सिकुड़ने से लेकर कई स्तर पर लोगों की जिंदगी से जुड़े बहुस्तरीय जोखिम के जैसे मामले तेजी से सामने आने लगे हैं, उसका हल निकालना सबसे बड़ी चुनौती होगी। साथ ही एआइ डेटा केंद्रों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और पानी की खपत को लेकर जिस तरह की चिंताएं उभरी हैं, अगर उसका कोई ठोस हल नहीं निकाला गया, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर विकास कसौटी पर होगा।

जनसेवा अभियान बना सुशासन का सशक्त मॉडल

प्रदेशभर में आयोजित 638 शिविरों के माध्यम से अब तक साढ़े चार लाख से अधिक नागरिकों की समस्याओं का हुआ समाधान

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान उत्तराखंड में सुशासन और पारदर्शी प्रशासन का एक प्रभावी उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश के सभी 13 जनपदों में निरंतर आयोजित हो रहे बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से सरकार सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर रही है। आंकड़ों के अनुसार 16 फरवरी 2026 तक प्रदेशभर में कुल 638 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें अब तक 4,97,107 नागरिकों ने प्रतिभाग कर अपनी समस्याएं और मांगें दर्ज कराई हैं। सोमवार को भी राज्य में 7 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 4,306 नागरिकों ने भाग लिया। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि धामी सरकार का यह अभियान जनसरोकारों से सीधे जुड़कर धरातल पर परिणाम दे रहा है।अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 48,562 शिकायत पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 32,583 शिकायतों का सफल निस्तारण किया जा चुका है। केवल सोमवार को आयोजित शिविरों में ही 411 नई शिकायतें प्राप्त हुईं और 261 शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। इससे यह साफ है कि सरकार केवल शिकायतें सुन ही नहीं रही, बल्कि उनका समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण भी कर रही है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र जारी करने तथा आवेदन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के तहत अब तक 69,746 प्रकरणों में ठोस कार्रवाई की गई है। सोमवार के शिविरों में भी 353 प्रमाण पत्र और आवेदन से संबंधित कार्य संपन्न हुए। सरकार की इस पहल से आम जनता को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिली है और सेवाएं उनके द्वार तक पहुंच रही हैं।अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। अब तक 2,76,646 व्यक्तियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला है, जिनमें से 2,542 लाभार्थी सोमवार को आयोजित शिविरों में जोड़े गए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि सरकार की योजनाएं कागजों से निकलकर जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव डाल रही हैं। जनपदवार आंकड़ों की बात करें तो हरिद्वार, देहरादून, उधम सिंह नगर, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा सहित सभी जिलों में नागरिकों की भारी सहभागिता देखी जा रही है। विशेष रूप से पिथौरागढ़, पौड़ी, नैनीताल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी में सोमवार को भी शिविर लगाकर जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अभियान पर जोर देते हुए स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रशासन को जनोन्मुखी, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान इसी संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जिसके माध्यम से सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उत्तराखंड में सुशासन, त्वरित सेवा वितरण और जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में धामी सरकार का यह प्रयास एक ऐतिहासिक पहल साबित हो रहा है। जनता को समयबद्ध समाधान और प्रमाण पत्रों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित कराकर सरकार विकास और विश्वास के नए आयाम स्थापित कर रही है।

कुलपति चौहान 'प्रोफेसर एमआर श्रीनिवासन मेमोरियल अवॉर्ड' से सम्मानित

पंतनगर (उद संवाददाता)। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति मनमोहन सिंह चौहान को नई दिल्ली में आयोजित

52वें डेयरी इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस में प्रतिष्ठित 'प्रोफेसर एमआर श्रीनिवासन मेमोरियल लेक्चर एंड ऑरेशन अवॉर्ड' से नवाजा गया है। इंडियन डेयरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्हें डेयरी विज्ञान एवं कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र के साथ 50,000 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। कुलपति को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान विश्वविद्यालय के साथ ही संपूर्ण उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है।कुलपति मनमोहन सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने चहुंमुखी विकास किया है। संस्थान ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 102 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 209वां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की पीआरटी टीम द्वारा विश्वविद्यालय को 'ए' रेटिंग प्रदान की गई है। कृषि क्षेत्र में नवाचार और बेहतर प्रबंधन के लिए संस्थान को 14वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव में 'अकादमिक लीडरशिप अवॉर्ड 2023' से भी सम्मानित किया जा चुका है।अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इस अवधि में वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फसलों की 15 नई प्रजातियां विकसित की गईं। बौद्धिक संपदा के संरक्षण हेतु 44 पेटेंट फाइल किए गए, जिनमें से 34 प्रकाशित हुए और 19 को आधिकारिक स्वीकृति मिल चुकी है। विश्वविद्यालय प्रजनक बीज उत्पादन में भी देश का अग्रणी केंद्र बना हुआ है, जहां प्रतिवर्ष 8,000 क्विंटल तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज तैयार किए जा रहे हैं। पशुपालन के क्षेत्र में बद्री गाय और पंतजा, चौगर्खा जैसी देशी नस्लों के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। विशेष रूप से उदयपुरी बकरी का पंजीकरण नेशनल ब्यूरो ऑफ एनिमल जेनेटिक रिसोर्सेज में कराया गया। मत्स्य पालन में भी प्रतिवर्ष 4 करोड़ स्पॉन उत्पादन का नया रिकॉर्ड बना है।बुनियादी ढांचे और छात्र कल्याण के लिए परिसर में जनरल बिपिन रावत छात्रावास, महिला व्यायामशाला, वेलनेस सेंटर और मधु वाटिका जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए पूरे परिसर को 90 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में लाया गया है। साथ ही पुराने छात्रावासों और सड़कों का नवीनीकरण भी किया गया। किसान कल्याण के क्षेत्र में आयोजित पांच अखिल भारतीय किसान मेलों में लगभग 98,500 किसानों ने हिस्सा लिया, जिससे करीब 3.085 करोड़ रुपये के बीजों की बिक्री हुई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने विश्वविद्यालय को '9वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार' से भी सम्मानित किया है। प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता लाते हुए 109 शिक्षकों की पदोन्नति के लंबित मामलों का निपटारा किया गया और संस्थान की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 'पंतनगर प्रवाह' न्यूजलेटर का प्रकाशन शुरू किया गया है।

भीमताल में डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा

भीमताल। सोमवार को विकास भवन भीमताल के सभागार में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जनपद में संचालित विकास कार्यों और बीस सूत्री कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को देखते हुए जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए कि नैनीताल जिला विकास योजनाओं में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे, इसके लिए सभी विभाग अवशेष धनराशि को हर हाल में 10 मार्च से पूर्व व्यय करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीस सूत्री कार्यक्रम के सभी मदों में जनपद की रैंकिंग ए श्रेणी रहनी चाहिए।जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर कार्यों का सत्यापन करें और विभाग द्वारा क्रय की गई सामग्री की शत-प्रतिशत आपूर्ति के साथ उसका भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके अतिरिक्त आगामी जिला योजना

2026-27 के लिए अभी से जनहित की योजनाओं का चयन कर ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए गए।सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए डीएम ने कहा कि अनुकूल मौसम का लाभ उठाते हुए हॉटमिक्स और डामरीकरण का कार्य तत्काल शुरू किया जाए। साथ ही, क्षतिग्रस्त क्रैश बैरियरों को बदलने और सड़कों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। स्वच्छता के मुद्दे पर उन्होंने जिला पंचायत और नगर निकायों को ग्रामीण कस्बों व मुख्य मार्गों पर नियमित सफाई और कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने झीलों की सुंदरता बनाए रखने के लिए जाल के माध्यम से पानी की नियमित सफाई करने के भी निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने बाल विकास और पेयजल विभाग को वर्तमान डी श्रेणी से सुधार कर ए श्रेणी में आने के सख्त निर्देश दिए। दुग्ध विकास विभाग को निर्देश दिए गए कि दुग्ध समिति के सदस्यों को उन्नत नस्ल की दुधारू गायों की यूनिट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा, सैनिटोरियम के पास स्थित वन चौकी को कैंची-भवाली बाईपास पर नवनिर्मित चौकी में स्थानांतरित करने हेतु वन विभाग और लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, अर्थ संख्याधिकारी डॉ. मुकेश सिंह नेगी सहित समस्त जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तराखंड को देश में मिला पांचवां स्थान

देहरादून (उद संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा कारोबार में सुगमता बढ़ाने के लिए गठित टास्क फोर्स की अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन और मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (फेज-2) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। मीता राजीव लोचन ने जानकारी दी कि डी-रेगुलेशन 1.0 कम्प्लायंस रिडक्शन में उत्तराखंड ने देशभर में पांचवां स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम, लैंड यूज, होम स्टे और श्रम सुधारों के क्षेत्र में किए जा रहे अभिनव प्रयोगों की सराहना की।बैठक में बताया गया कि उत्तराखंड के लिए फेज-2 के तहत कुल नौ प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं। इनमें भूमि उपयोग, भवन एवं निर्माण की स्वीकृति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, पर्यावरण और पर्यटन क्षेत्र में नवाचार जैसी प्राथमिकताएं शामिल हैं। इन लक्ष्यों का उद्देश्य राज्य में विकास कार्यों को गति देना, निवेश और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव ने सुझाव

दिया कि उद्योग से संबंधित प्रस्तावों को निधारित समय सीमा के भीतर मंजूरी दी जाए और छोटे निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था लागू की जाए।आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मीता राजीव लोचन ने बताया कि उत्तराखंड का मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 26 प्रतिशत का योगदान देता है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। इस क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा औपचारिक रूप से पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित है। उन्होंने कहा कि कुशल मानव संसाधन, उच्च साक्षरता दर और बेहतर प्राकृतिक वातावरण के चलते उत्तराखंड निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बैठक में कहा कि राज्य में निवेश अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और सशक्त बनाया जा रहा है।मुख्य सचिव ने बताया कि बिजली, श्रम सुधार, अग्निशमन, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस फेज-2 के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। इस अवसर पर केंद्रीय अपर सचिव राहुल शर्मा, राजेश शर्मा, सचिव आर राजेश कुमार, श्रीधर बाबू अदाकी, रंजीत सिन्हा, रविशंकर, विशेष सचिव मधुकर पराग धकाते, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, सौरभ गहरवार, अभिषेक रोहेला एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में 14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। जनपद अल्मोड़ा के सभी न्यायालयों में आगामी 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष अदालत में विभिन्न श्रेणियों के वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर कराया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा की सचिव शचि शर्मा ने जनता और वादकारियों से अपील की है कि जो भी व्यक्ति अपने मामलों को इस माध्यम से निस्तारित कराना चाहते हैं, वे लोक अदालत की तिथि से एक कार्य दिवस पूर्व तक संबंधित न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन देकर अपना मामला नियत करवा सकते हैं।सचिव शचि शर्मा ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय लोक अदालत में केवल उन्हीं वादों को लिया जाता है जिनका निस्तारण विधि अनुसार समझौते के आधार पर संभव हो। लोक अदालत की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यदि न्यायालय में पहले से कोर्ट फीस जमा की

जा चुकी है और मामला यहाँ निस्तारित हो जाता है, तो पक्षकार को जमा की गई कोर्ट फीस पूरी तरह वापस कर दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में फौजदारी के शमनीय मामले, चेक बाउंस, पैसे के लेनदेन, श्रम विवाद, बिजली व पानी के बिल, मोटर दुर्घटना मुआवजा, भूमि अधिग्रहण और राजस्व से संबंधित लंबित मामलों का निस्तारण किया जाएगा।इसके अतिरिक्त विवाह से संबंधित पति-पत्नी के विवाद (तलाक को छोड़कर), दीवानी मामले जैसे किरायेदारी, व्यादेश, उपभोक्ता फोरम के वाद और ट्रैफिक चालानों का भी निस्तारण मौके पर होगा। सचिव ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत में न केवल न्यायालयों में लंबित वाद, बल्कि ऐसे मामले भी सुलझाए जा सकेंगे जो अभी अदालत तक नहीं पहुंचे हैं (प्री-लिटिगेशन), जिनमें भरण-पोषण, फोन बिल और अन्य फौजदारी व दीवानी विवाद शामिल हैं। यह आयोजन आमजन के लिए समय और धन की बचत के साथ-साथ त्वरित न्याय पाने का एक बेहतरीन अवसर है।

अगली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को बचाना जरूरी : डा. पंत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। समाज में अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए पर्यावरण को बचाना जरूरी है । यह बात पूर्व जिला आयुर्वेद

अधिकारी एवं पर्यावरणविद डा. आशुतोष पंत ने अल्मोड़ा जिले के बमस्यू में ग्रामीणों को अखरोट के पौधे नि:शुल्क भेंट करते समय उपस्थित ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कही। यहां राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में डॉ सुधीर सोनी के विशेष सहयोग से हुए कार्यक्रम में पूर्व प्रधान मुकेश पांडे, प्रधान श्रीमती मंजू मेहरा, अस्पताल के स्टाफ कविता, जसवंत सिंह, लक्ष्मी, अक्षय मेहरा का सहयोग रहा।डा पंत ने टिपोला क्षेत्र में जूनियर हाईस्कूल के बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारियां देने के साथ पौधे देकर उन्हें बचाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने पॉलिथीन प्रयोग रोकने के लिये भी सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं, यदि इनके मन में पर्यावरण के लिये प्रेम पैदा किया जाए तो शायद बिगड़ते हालात सुधर सकते हैं। जिस गति से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, वायु और जल सब कुछ प्रदूषित हो रहा है वह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा स्कूल में देखा सब बच्चे प्लास्टिक की बोतल में पीने का पानी लाते हैं। लगातार प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से गम्भीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। माइक्रोप्लास्टिक और बेसफिनॉल जैसे खतरनाक रसायन घुलकर शरीर में जाते हैं तो लिवर, गुर्दे की बीमारी और कैंसर तक की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने बच्चों को धातु की बोतल प्रयोग करने के लिये जागरूक किया। डा. पंत ने कहा प्रत्येक व्यक्ति को हर साल कम से कम एक पेड़ लगाकर उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिय। जिस तेजी से विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं उस पर रोक लगनी चाहिए। विकास होना चाहिए पर पर्यावरण की कीमत पर नहीं।

कार्यालय जिला पंचायत, उधमसिंह नगर

निष्प्रयोज्य जीर्ण-क्षीर्ण मलुवा सामग्री की नीलामी बोली की विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड रूद्रपुर के जेरे इन्तजाम डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की किच्छा स्थित पुराना अस्पताल भूमि में पड़ें हुए निष्प्रयोज्य जीर्ण-क्षीर्ण मलुवा सामग्री (जिस स्थिति में है वैसी स्थिति में) की सार्वजनिक नीलामी बोली कार्यालय जिला पंचायत, उधमसिंह नगर के सभागार में दिनॉक 21.02.2026 को मध्यान्ह 02:00 बजे से आयोजित की जाती है। जिसकी न्यूनतम बोली की धनराशि दिनॉक 17.02.2026 से दिनॉक 20.02.2026 को सांय 5:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत में देखी जा सकती है अथवा ज्ञात की जा सकती है। बोली में भाग लेने वाले व्यक्ति/फर्म को बोली से पूर्व जमानत / धरोहर धनराशि रू0 10,000.00 नकद रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। उच्चतम बोलीदाता को नीलामी बोली स्वीकृति की प्रत्याशा में अपनी बोली की सम्पूर्ण धनराशि बोली के तुरन्त बाद उसी दिवस में मौके पर जमा करनी अनिवार्य होगी। पूर्ण धनराशि जमा न करने की दशा में उनकी जमानत / धरोहर धनराशि जब्त कर दी जायेगी। नीलामी बोली को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार नीलाम अधिकारी / मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। नीलामी बोली की अन्य शर्तें बोली दिवस से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंह नगर में देखी जा सकती हैं।

अपर मुख्य अधिकारी
पत्रांक-3436/सम्पत्ति-जि.प.ऊ.न./2025-26 दि. 16.02.2026 जिला पंचायत, उधमसिंह नगर

पेज एक का शेष...

तीन बड़े बदलावों के ...व्यवस्था पहले से अधिक सख्त की गई है, कई केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी और विशेष निरीक्षण दल तैनात किए गए हैं। समय प्रबंधन को लेकर भी सख्ती बढ़ाई गई है और निर्धारित समय के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही कुछ संवेदनशील या भीड़भाड़ वाले परीक्षा केंद्रों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें बैठने की व्यवस्था, प्रवेश-निकास नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश शामिल हैं। बोर्ड ने विद्यार्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, एडमिट कार्ड और पहचान पत्र साथ रखने तथा मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न लाने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और अनुशासित वातावरण में संपन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

सड़क सुरक्षा और ...हुए स्वस्थ शरीर और सुरक्षित समाज का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर विधायक श्री खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर सहित परिवहन विभाग के उच्चाधिकारी, पुलिस प्रशासन के कार्मिक और बड़ी संख्या में स्थानीय जनता मौजूद रही। पूरी दौड़ के दौरान सुरक्षा और चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष उत्साह देखा गया, जहां कई युवा तख्तियों के माध्यम से 'प्लास्टिक मुक्त उत्तराखंड' और 'सुरक्षित सड़क' के नारे बुलंद करते नजर आए।

कांग्रेस की रैली में...कार्य किए हैं। भाजपा सरकार जनता से किए गए हर वादे पर पूरी तरह खरी उतरी है और शेष कार्यकाल में उम्मीद से भी कहीं अधिक विकास कार्य संपन्न किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को असली पीड़ा इस बात से है कि राज्य निर्माण के समय से चली आ रही जटिल समस्याओं का समाधान भाजपा सरकार ने कैसे कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मुद्दों पर विपक्ष झूठ और भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है, उन पर प्रदेश की जनता का अटूट विश्वास और समर्थन केवल भाजपा के साथ है।

नैनीताल कोर्ट को ...को निशाना बनाने की बात कहते हुए तुरंत अदालत खाली करने की चेतावनी दी गई थी। इस बार हमले की जिम्मेदारी कथित तौर पर तमिल टाइगर ऑफ ईलम और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा ली गई है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को भी इसी तरह के ईमेल के कारण आधे दिन तक न्यायिक कार्य बाधित रहा था और पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया था। लेकिन जांच आगे बढ़ती, उससे पहले ही मंगलवार को आए दूसरे संदेश ने पुलिस और प्रशासन की नींद उड़ा दी। सूचना मिलते ही डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और जज चैंबर, अधिवक्ता चैंबर, पार्किंग व अन्य सार्वजनिक स्थलों की गहन छानबीन की। एसपी जगदीश चंद्र ने बताया कि फिलहाल जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में टिहरी जिला न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी मंगलवार को ईमेल के माध्यम से बम होने की सूचना दी गई,इसके अलावा रूद्रप्रयाग जिला न्यायालय और उत्तरकाशी कलेक्ट्रेट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। जिससे वहां भी खलबली मच गई। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और पूरे परिसर की जांच की गई। लगातार मिल रही इन धमकियों के बाद प्रदेश के सभी प्रमुख न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जा रहा है और साइबर सेल इन ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है

गदरपुर में विशाल...धर्म मंदिर परिसर में होगा। इसके अलावा दिनेशपुर और चक्की मोड़ में सम्मेलन आयोजित होने हैं। सम्मेलन से पूर्व क्षेत्र की सुख शांति के लिए वैदिक हवन यज्ञ भी किया जायेगा। विधायक पाण्डे ने कहा कि यह सम्मेलन पूरी तरह गैर राजनैतिक है। इसमें किसी भी धर्म जाति या समुदाय का व्यक्ति प्रतिभाग कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वयं सेवक संघ किसी दल के लिए काम नहीं करता बल्कि समाज देश और विश्व की भलाई के लिए काम करता है। सम्मेलन में किसी भी दल के लोग इसमें आ सकते हैं। एक सवाल के जवाब में विधायक पाण्डे ने कहा यह देश पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। हिंदू वह महासागर है जो सबको अपने में समा लेता है। हिंदुस्तान में रहने वाले सब लोग कहीं न कहीं हिंदू हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा है समर्थ हिंदू समृद्ध भारत। इसी उद्देश्य पर संघ काम कर रहा है। विधायक ने कहा संघ किसी भी धर्म के खिलाफ काम नहीं करता बल्कि वसुधैव कुटुंबकम को लेकर चलता है। इसी भाव को लेकर प्रधाानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चल रहे है। विधायक पाण्डे ने कहा कि पूरी दुनिया एक परिवार है सबका एक ही भविष्य है। इसीलिए सीमाओं और जाति के झगड़े बंद होने चाहिए। वैज्ञानिक पद्धतियों का आदान प्रदान करते हुए मानव कल्याण के लिए सबको काम करना चाहिए। विधायक ने कहा संघ का स्वयं सेवक कभी भी छोटी मानसिकता से काम नहीं करता है। संघ और हिंदुत्व अथाह सागर हैं इनके दिल में सभी के लिए जगह है। पाण्डे कहा कि तराई में सभी त्योहार मिलकर मनाये जाते हैं। भेदवभाव लोगों के मन में नहीं बल्कि भेदभाव नेताओं के दिलों में है वो अपने वोटों के लिए कभी जाति वाद, कभी क्षेत्रवाद, कभी भाषावाद तो कभी हिंदू मुस्लिम करते हैं। स्वयं सेवक संघ कभी भी जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद की बात नहीं करता है बल्कि सबको एक मंच पर लाने का काम करता है। पाण्डे ने स्पष्ट किया कि यह सम्मेलन किसी के विरोध में नहीं कराया जा रहा है। बल्कि सामाजिक सौहार्द के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की।

नाले में युवक का ....कोशिशों के बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। शव की स्थिति को देखते हुए उसकी उम्र लगभग 40 वर्ष आंकी जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, शव कुछ दिन पुराना लग रहा है और कीचड़ में पूरी तरह सना हुआ था। शव के गलने और काफी समय से पानी में रहने के कारण उससे दुर्गंध भी आ रही थी, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मृत्यु कुछ दिन पूर्व हुई होगी। पुलिस ने घटना के संबंध में आसपास के सभी थाना क्षेत्रों और जनपदों को सूचना प्रसारित कर दी है, ताकि गुमशुदा लोगों के रिकॉर्ड से मृतक का मिलान किया जा सके। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है कि यह दुर्घटना है या कोई आपराधिक साजिश।

गंगनहर में डूबे...डूबते हुए और बचाने की कोशिशों को देखा जा सकता था। आशीष शुक्ला आईआईटी रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग में एमबीए प्रथम वर्ष का छात्र था और बलिया के सहरसपाली क्षेत्र का रहने वाला था। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और जल पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया था। पुलिस और गोताखोरों की टीम पिछले छह दिनों से गंगनहर के विभिन्न घाटों और बहाव क्षेत्रों में सर्च अभियान चला रही थी। मंगलवार को छात्र का शव गंगनहर से बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। होनहार छात्र की मौत की खबर मिलते ही संस्थान के छात्रों और शिक्षकों में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में ..अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद भुवन जोशी सड़क किनारे बेसुध होकर गिर गए और गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों द्वारा घटना की जानकारी पंतनगर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मोर्चरी भिजवाया। मंगलवार को दोपहर में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद चित्रशिला घाट रानीबाग में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक भुवन जोशी अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गए हैं। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है

विभागीय संपत्तियों की सूची और अभिलेखों के डिजिटलीकरण के निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सभी विभागीय सचिवों को बाह्य सहायतित योजनाओं के अंतर्गत आगामी वर्षों के लिए नई कार्ययोजनाओं के प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को सचिवालय में आयोजित सचिव समिति की बैठक के दौरान उन्होंने वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए निर्धारित मानकों और नियमों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को अपनी संपत्तियों की इन्वेंट्री तैयार करने के साथ ही आधुनिक तकनीक के आधार पर उनके संरक्षण और विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में मुख्य सचिव ने विभागीय कार्यकलापों और सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए बाह्य सहायतित योजनाओं के तहत लोकहित में जो भी परियोजनाएं

आवश्यक हैं, उनके प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत किए जाएं। अवस्थापना विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए उन्होंने विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही राज्य के पुरातन अभिलेखों के डिजिटलीकरण पर बल देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अर्काइव और अन्य प्रमुख रिकॉर्ड रखने वाले विभागों से इनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि ऐतिहासिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखा जा सके।कृषि क्षेत्र में सुधारों पर चर्चा करते हुए आनंद बर्द्धन ने एग्री स्टेक इन उत्तराखंड के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने को कहा। मुख्य सचिव ने सभी सचिवों से उनकी विभागीय प्राथमिकताओं की जानकारी ली और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े जिलाधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर संवाद किया। इस दौरान जिलाधिकारी अल्मोड़ा और पौड़ी ने अपने जनपदों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास के लिए अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने अगली बैठक में जिलाधिकारी टिहरी और उधमसिंह नगर को अपने जनपदों की बेस्ट प्रैक्टिस का प्रस्तुतिकरण देने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर सभी प्रमुख सचिव, सचिव, आयुक्त और जिलाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

सूचना सम्बंध विच्छेद

सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र लखविंदर सिंह को गलत चाल चलन के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में इससे मेरा कोई वास्ता नहीं है। जो भी इसके साथ लेन-देन करता है, उसकी जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी।

सुरजीत कौर पत्नी गुरदीप सिंह निवासी ग्राम ध्यानपुर नानकमत्ता जिला उधम सिंह नगर

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम स्वाति से बदलकर अब स्वाति प्रशांत कर लिया है, अतः अब से भविष्य में मुझे स्वाति प्रशांत पत्नी प्रशांत गोयल के नाम से जाना व पहचाना जाए।

वर्तमान पता: V/1352, टा कॉलोनी, पंतनगर, जिला- उधम सिंह नगर, उत्तराखंड, पिन कोड- 263145

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

रैली में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटा पाई कांग्रेस

खाली नजर आई कुर्सियां, कमजोर पड़े नेताओं के दावे

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में कांग्रेस द्वारा आयोजित राजभवन कूच और शक्ति प्रदर्शन सोमवार को राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना रहा। कांग्रेस ने इसे जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बड़ा आंदोलन बताया, लेकिन कार्यक्रम के दौरान सामने आई तस्वीरों और प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं ने आयोजन की प्रभावशीलता और उद्देश्य की स्पष्टता पर सवाल खड़े कर दिए।पिछले कई दिनों से रैली की तैयारियाँ की जा रही थीं और प्रदेशभर से कार्यकर्ताओं को जुटाने का दावा किया गया था। सुबह परेड ग्राउंड से ढोल-दमाऊ की थाप के साथ राजभवन की ओर कूच शुरू हुआ, जिसमें पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि अपेक्षित भीड़ नहीं जुटने और कार्यक्रम स्थल पर कई स्थानों पर कुर्सियाँ खाली

दिखाई देने से कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के दावे कमजोर पड़ते नजर आए।रैली में शामिल कई प्रतिभागियों से बातचीत में यह भी सामने आया कि उन्हें प्रदर्शन के मुख्य उद्देश्य की स्पष्ट जानकारी नहीं थी। कुछ लोगों ने इसे स्थानीय नेताओं के समर्थन से जोड़ा, तो कुछ ने अलग सामाजिक और क्षेत्रीय मुद्दों का उल्लेख किया।इस प्रदर्शन में मुस्लिम समाज के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कई प्रतिभागियों ने कहा कि वे मदरसा बोर्ड को भंग किए जाने के विरोध में अपनी आवाज उठाने पहुंचे हैं। इस पहलू ने राजनीतिक हलकों में चर्चा को जन्म दिया है कि कांग्रेस विशेष वर्गों के मुद्दों को प्रमुखता देकर समर्थन जुटाने की रणनीति अपना रही है।कुछ प्रतिभागियों ने स्वयं को अन्य राज्यों, जैसे पश्चिम बंगाल से आया बताया, जिससे यह संकेत मिला कि रैली में विविध पृष्ठभूमि के लोग शामिल हुए। वहीं विभिन्न कारणों से पहुंचे लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाओं ने आयोजन के केंद्रीय एजेंडे की स्पष्टता पर प्रश्नचिह्न लगा दिए।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी बड़े आंदोलन की सफलता स्पष्ट मुद्दों, मजबूत जनसमर्थन और संगठनात्मक समन्वय पर निर्भर करती है। इतने दिनों की तैयारी के बावजूद अपेक्षित जनसैलाब का न जुटना और प्रतिभागियों के बीच मुद्दों को लेकर भ्रम कांग्रेस की रणनीति पर सवाल खड़े करता है। वहीं सरकार समर्थक हलकों का कहना है कि विपक्ष ठोस जनसमर्थन और स्पष्ट एजेंडे के साथ जनता तक पहुँचने में संघर्ष कर रहा है, जबकि प्रदेश सरकार विकास, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं पर निरंतर कार्य कर रही है।

श्री हरि चैतन्यपूरित को भक्तों ने दी अश्रुपूरीत विदाई

गढीनेगी (उद संवाददाता)।सात दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव व विराट धर्म सम्मेलन धूमधाम से सम्पन्न होने के बाद आज श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य महाप्रभु जी को श्री हरि कृपा धाम आश्रम गढीनेगी से हजारों भक्तों ने भावपूर्ण अश्रुपूरित विदाई दी। श्री महाराज ने आज राजस्थान की ओर प्रस्थान किया। इस दौरान श्री महाराज जी की आँखों में भी आँसू दिखाई दिए । भावुक होकर उन्होंने अपने गढीनेगी व उत्तराखण्ड प्रवास को अविस्मरणीय बताया तथा सात दिवसीय विराट धर्म सम्मेलन के निर्विघ्न संपन्न होने में असंख्य भक्तों के साथ साथ शासन व प्रशासन को भी धन्यवाद कहा। उन्होंने देवभूमि व यहाँ के वासियों की प्रशंसा व महिमा का बखान करते हुए सभी का आवाहन किया कि सभी समस्त प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्यागकर आपसी प्रेम, एकता , सद्भाव व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखें तथा इस पवित्र भूमि की मर्यादाओं, मूल्यों, विरासतों व ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धार्मिक धरोहरों के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान अवश्य दें। सम्पूर्ण वातावरण बहुत ही भावुक हो गया तथा सदगुरूदेव भगवान की जय, कामां के कन्हैया की जय, लाठी वाले भैय्या की जय व श्री हरेश्वर महादेव की जय जयकार से गूंज उठा।

पुलिस टीमों ने जनपद में चलाया सघन सत्यापन अभियान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण एवं संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सघन सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। एसएसपी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नियमित रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच सुनिश्चित करें। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर बाजारों तक सख्ती बनी रही।उक्त निर्देशों के अनुपालन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। इन टीमों द्वारा सीमावर्ती चेक पोस्टों, आंतरिक मार्गों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आकस्मिक रूप से चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई। साथ ही संदिग्ध रूप से घूम

रहे व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके पहचान पत्रों, निवास संबंधी दस्तावेजों एवं गतिविधियों का सत्यापन किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पुलिस एक्ट के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करते हुए चालान की कार्रवाई भी की गई। संपूर्ण जनपद में 42 पुलिस टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर सत्यापन एवं चालानी कार्रवाई की गई। जिसमें कोतवाली जसपुर द्वारा 31 सत्यापन व 05 चालान किए गए जबकि कोतवाली कुंडा द्वारा 30 सत्यापन व 08 चालान, कोतवाली काशीपुर द्वारा 75 सत्यापन व 20 चालान, थाना आईटीआई द्वारा 29 सत्यापन व 01 चालान, कोतवाली बाजपुर द्वारा 01 चालान, थाना केलाखेड़ा द्वारा 09 सत्यापन व 09 चालान, कोतवाली गदरपुर द्वारा 36 सत्यापन व 04 चालान, थाना दिनेशपुर द्वारा 30 सत्यापन, थाना पंतनगर द्वारा पुलिस एक्ट में चालान, कोतवाली ट्रांजिट कैंप द्वारा 19 सत्यापन, कोतवाली रुद्रपुर द्वारा पुलिस एक्ट में चालान, कोतवाली किच्छा द्वारा 46 सत्यापन व 05 चालान, थाना पुलभट्टा द्वारा 20 सत्यापन व 05 चालान, कोतवाली सितारगंज द्वारा 95 सत्यापन व 09 चालान, थाना नानकमत्ता द्वारा 14 सत्यापन व 05 चालान, कोतवाली खटीमा द्वारा 110 सत्यापन व 07 चालान, थाना झनकइया द्वारा 61 सत्यापन व 12 चालान किए गए। एसएसपी द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जनपद में असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके एवं आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने किरायेदारों, घरेलू सहायकों एवं कर्मचारियों का समय पर सत्यापन अवश्य कराएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

खबर का असर : लोनिवि ने भरे आदित्य चौक के जानलेवा गड्ढे

उत्तरांचल दर्पण में प्रमुखता से खबर छपने के बाद हरकत में आया प्रशासन

किच्छा (उद संवाददाता)। लोक निर्माण विभाग द्वारा उत्तरांचल दर्पण में छपी खबर का संज्ञान लेते हुए आदित्य चौक पर बने जानलेवा गड्ढों को भरकर दुरुस्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 11 फरवरी के अंक में उत्तरांचल दर्पण द्वारा किच्छा के आदित्य चौक पर बने आलीशान गेट के ठीक सामने मौजूद खड्डों की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। आदित्य चौक से लगातार चारों ओर भारी यातायात का आवागमन बना रहता है, जिस वजह से भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क लगातार टूट जाती है और बड़े गड्ढे बन जाते हैं। इन गड्ढों के कारण अक्सर दोपहिया, चौपहिया और भारी वाहन चलाने वाले लोग सड़क हादसों का शिकार हो रहे थे। यही नहीं, कई बार इन गड्ढों में फंसकर भारी वाहन जाम का कारण भी बन रहे थे और पूर्व में इन खड्डों की वजह से कुछ लोग अपनी जान भी गंवा चुके थे। उत्तरांचल दर्पण ने जनहित के इस मुद्दे को उठाते हुए प्रशासन का ध्यान इस ओर खींचा था, जिसका लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्यवाही की। विभाग ने चौराहे के चारों ओर बने सभी भयंकर गड्ढों को भरकर आवागमन को सुरक्षित और दुरुस्त करने का कार्य पूर्ण कर लिया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि खबर प्रकाशित होने के दूसरे दिन ही लोक निर्माण विभाग ने मरम्मत का काम शुरू कर दिया था। क्षेत्रीय जनता ने जहां जन समस्याओं को प्रखरता से उठाने के लिए समाचार पत्र की प्रशंसा की है, वहीं विभागीय अधिकारियों द्वारा त्वरित निस्तारण किए जाने की भी सराहना की है। लोगों का कहना है कि यदि हर विभाग समाचार पत्रों के माध्यम से उठाई गई समस्याओं पर इसी तरह गंभीरता से संज्ञान ले, तो किसी भी समस्या का समाधान संभव है।

आलीशान गेट के सामने बदहाल सड़कें दे रही हैं बड़े हादसों को दावत